

Sangeet Natak Akademi

1926. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of Scientific Research and Cultural Affairs be pleased to state:

(a) the names of organisations in Punjab which received grants from the Sangeet Natak Akademi in 1958-59 and the amount thereof;

(b) whether the Sangeet Natak Akademi has decided to give grants for promotion of music during 1959-60; and

(c) if so, the amount thereof?

The Deputy Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Dr. M. M. Das): (a) The Sangeet Natak Akademi sanctioned a grant of Rs. 2,000 during 1958-59 to the Haribalabh Sangeet Maha Sabha, Jullundur.

(b) The question of sanctioning grants to cultural organisations during 1959-60 is under consideration of the Akademi.

(c) Does not arise.

Delhi Schools in Tents

1927. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of Education be pleased to state the number of Government schools in Delhi still running in tents?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimall): (i) Schools running wholly in tents. . . 36.

(ii) Schools housed partly in buildings and partly in tents. . . 37.

Hindi in Delhi Administration

Shri Ram Krishan Gupta:
Shri Padam Dev:
 1928. { **Shri Bhakt Darshan:**
 Shri Naval Prabhakar:
 Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2356 on the 8th September, 1959 and state:

(a) whether Government have considered the report of the Committee appointed to draw up a time schedule for the progressive adoption of Hindi as the language of Delhi Administration; and

(b) if so, the result thereof?

The Minister of Home Affairs (Shri G. B. Pant): (a) and (b). The report of the Committee is still under consideration.

सामुदायिक विकास मंत्रालय और केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड में समन्वय

१९२६. { श्री म० ला० द्विवेदी :
 --- . . . { त १० ना० तबारी :

क्या सि० पंजी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सामुदायिक विकास मंत्रालय और केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के कार्य-क्षेत्रों में समन्वय लाने के लिये कोई कार्यवाही की जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो उसका व्यौरा क्या है ; और

(ग) पंचवर्षीय योजना के तत्वावधान में केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के कार्यों का अध्ययन करने वाले दल के निम्नलिखित प्रति-कथन पर क्या कार्यवाही की गई है ;

“वर्तमान एकांगी व्यवहार के फलस्वरूप स्त्रियों और बच्चों को परिवार से भ्रमण समझ लेने की नीति में परिवर्तन की आवश्यकता है और परिवार को एक इकाई मान कर अधिक बड़े समुदायों की धारणा पर कार्य करना आवश्यक है ।”

शिला मंत्री (डा० का० ला० जीमाली) :

(क) और (ख) : इस संबंध में पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है । अप्रैल, १९५७ में केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड ने समन्वित ढंग की समाज कल्याण विस्तार प्रायोजनाओं की एक योजना चालू की थी । इस योजना के अधीन बोर्ड बच्चों, स्त्रियों और शारीरिक